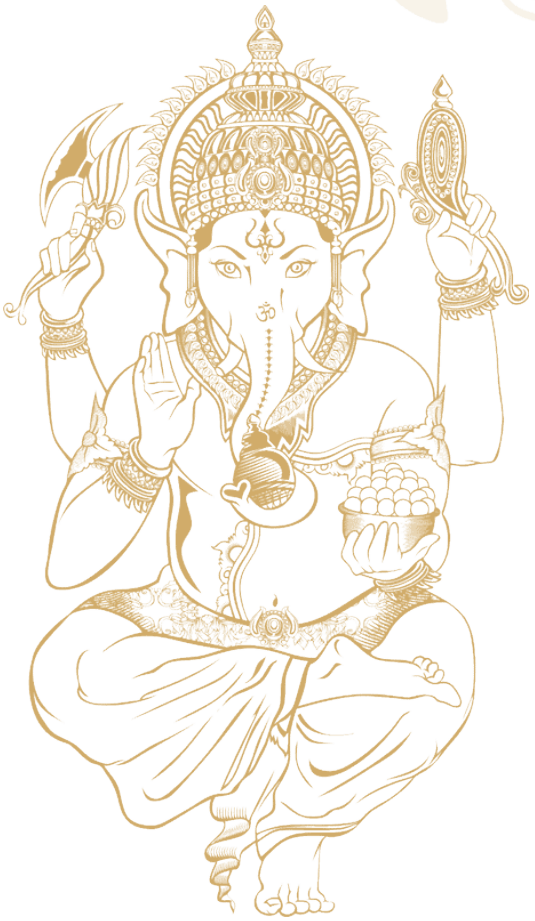

Mr.

27 Mar 2026

12:42 PM

Seoul

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121726216

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/03/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:42:00 घंटे**
इष्ट	14:52:03 घटी
स्थान	**Seoul**
देश	Korea South

अक्षांश	37:34:00 दक्षिण
रेखांश	126:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	135:00:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:09:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:26 घंटे
साम्पातिक काल	00:28:14 घंटे
सूर्योदय	06:45:10 घंटे
सूर्यास्त	18:33:23 घंटे
दिनमान	11:48:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	12:15:41 मीन
लग्न के अंश	24:45:37 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	अतिगण्ड
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:45:37	310:57:33	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			मीन	12:15:41	00:59:24	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	29:46:16	13:48:54	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	25:05:52	00:47:02	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	16:04:36	00:32:32	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	21:16:27	00:03:03	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	01:26:34	01:14:03	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि		अ	मीन	10:43:06	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
राहु			कुंभ	14:30:01	00:01:30	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:30:01	00:01:30	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:19:54	00:02:26	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:47:46	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:54:27	00:01:06	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	13:27:49	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:31

लग्न-चलित

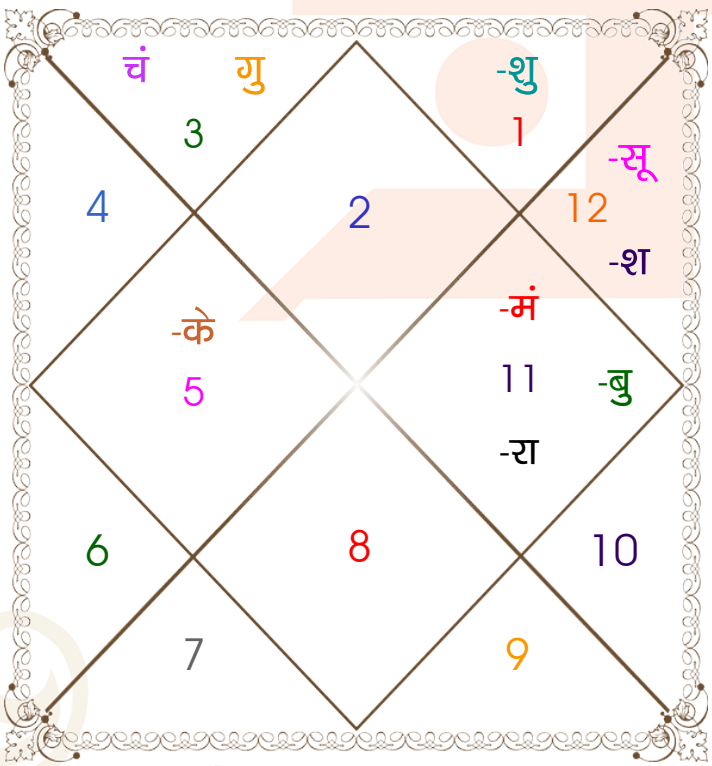

चन्द्र कुंडली

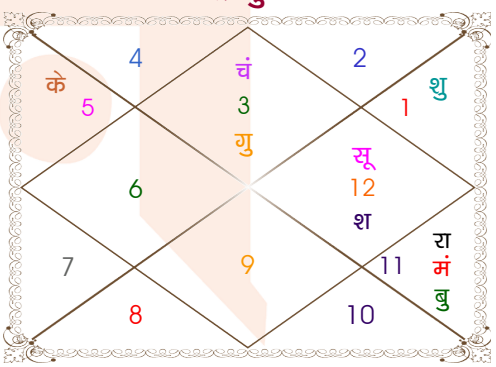

नवमांश कुंडली

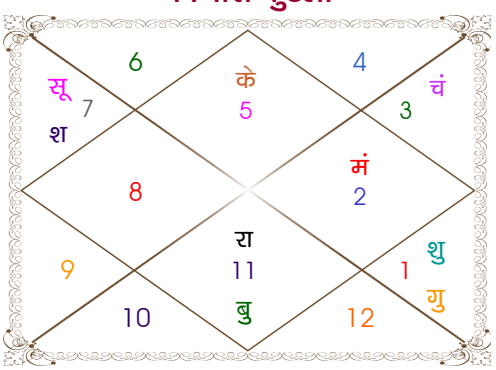

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 4 वर्ष 3 मास 8 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/03/2026		05/07/2030		05/07/2049		05/07/2066		05/07/2073	
05/07/2030		05/07/2049		05/07/2066		05/07/2073		05/07/2093	
	00/00/0000	शनि	08/07/2033	बुध	02/12/2051	केतु	01/12/2066	शुक्र	04/11/2076
	00/00/0000	बुध	17/03/2036	केतु	28/11/2052	शुक्र	01/02/2068	सूर्य	04/11/2077
	00/00/0000	केतु	26/04/2037	शुक्र	29/09/2055	सूर्य	07/06/2068	चंद्र	06/07/2079
	00/00/0000	शुक्र	26/06/2040	सूर्य	04/08/2056	चंद्र	07/01/2069	मंगल	04/09/2080
	00/00/0000	सूर्य	08/06/2041	चंद्र	04/01/2058	मंगल	05/06/2069	राहु	04/09/2083
	27/03/2026	चंद्र	07/01/2043	मंगल	01/01/2059	राहु	23/06/2070	गुरु	05/05/2086
चंद्र	06/03/2027	मंगल	16/02/2044	राहु	20/07/2061	गुरु	30/05/2071	शनि	05/07/2089
मंगल	10/02/2028	राहु	23/12/2046	गुरु	26/10/2063	शनि	08/07/2072	बुध	05/05/2092
राहु	05/07/2030	गुरु	05/07/2049	शनि	05/07/2066	बुध	05/07/2073	केतु	05/07/2093

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/07/2093		06/07/2099		06/07/2109		06/07/2116		06/07/2134	
06/07/2099		06/07/2109		06/07/2116		06/07/2134		00/00/0000	
सूर्य	23/10/2093	चंद्र	06/05/2100	मंगल	02/12/2109	राहु	19/03/2119	गुरु	24/08/2136
चंद्र	23/04/2094	मंगल	05/12/2100	राहु	21/12/2110	गुरु	12/08/2121	शनि	07/03/2139
मंगल	29/08/2094	राहु	06/06/2102	गुरु	27/11/2111	शनि	18/06/2124	बुध	12/06/2141
राहु	24/07/2095	गुरु	06/10/2103	शनि	04/01/2113	बुध	05/01/2127	केतु	19/05/2142
गुरु	11/05/2096	शनि	06/05/2105	बुध	02/01/2114	केतु	23/01/2128	शुक्र	17/01/2145
शनि	23/04/2097	बुध	06/10/2106	केतु	31/05/2114	शुक्र	23/01/2131	सूर्य	05/11/2145
बुध	27/02/2098	केतु	07/05/2107	शुक्र	31/07/2115	सूर्य	18/12/2131	चंद्र	28/03/2146
केतु	05/07/2098	शुक्र	04/01/2109	सूर्य	06/12/2115	चंद्र	18/06/2133		00/00/0000
शुक्र	06/07/2099	सूर्य	06/07/2109	चंद्र	06/07/2116	मंगल	06/07/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 4 वर्ष 3 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।